

108  
प्रेषक,

संख्या:- / 11-2016-04(16)/2013, टी0सी0

आनन्द वर्द्धन  
सचिव,  
उत्तराखण्ड शासन।

सेवा में,

मुख्य अभियन्ता एवं विभागाध्यक्ष,  
सिंचाई विभाग,  
देहरादून।

सिंचाई अनुभाग-2,

देहरादून, दिनांक 05 अक्टूबर, 2015

विषय:- जनपद उत्तरकाशी के अन्तर्गत जोशियाड़ा की 02 बाढ़ सुरक्षा कार्यों पर धनावंटन के सम्बन्ध में।

महोदय,

उपर्युक्त विषयक आपके पत्र संख्या 2698/मु0अ0वि0/बजट/बी-1 (सामान्य) दि0 24 जुलाई, 2015 के सन्दर्भ में मुझे यह कहने का निदेश हुआ है कि सी0एस0एस0आर0 मद के अन्तर्गत जनपद उत्तरकाशी की 02 निर्माणधीन योजनाओं जिनका निर्माण कार्य यू0जे0वी0एन0एल0 द्वारा किया जा रहा है की कुल स्वीकृत लागत ₹12552.38 लाख (8786.666 लाख केन्द्रांश+3765.714 लाख राज्यांश) के सापेक्ष वर्तमान तक राज्यांश ₹3765.71 लाख की सम्पूर्ण धनराशि अवमुक्त की जा चुकी है। योजनाओं के अवशेष कार्यों को ससमय पूर्ण किये जाने के दृष्टिगत भारत सरकार से योजनाओं हेतु प्राप्त होने वाले केन्द्रांश के सापेक्ष अग्रिम के रूप में ₹ 3016.58 लाख (तीस करोड़ सोलह लाख अठ्ठावन हजार मात्र) की धनराशि वित्तीय वर्ष 2015-16 में अधोलिखित प्रतिबन्धों के अधीन व्यय हेतु आपके निवर्तन पर रखे जाने की श्री राज्यपाल सहर्ष स्वीकृति प्रदान करते हैं :-

- (i) वर्णित योजनाओं हेतु भारत सरकार से केन्द्रांश की धनराशि प्राप्त किये जाने की दिशा में सक्रिय व समयबद्ध प्रयास सुनिश्चित किया जाय। सी0एस0एस0/केन्द्रपोषित बाढ़ सुरक्षा योजनाओं के सम्बन्ध में निर्गत दिशा-निर्देशों, मानकों एवं नियमों का पालन किया जायेगा तथा तत्काल सक्षम स्तर का अनुमोदन प्राप्त किया जायेगा।
- (ii) सम्बन्धित धनराशि का व्यय केवल उन्हीं योजनाओं के अन्तर्गत किया जाय, जिनके लिये यह स्वीकृति जारी की जा रही है तथा जिन योजनाओं की नियमानुसार स्वीकृति प्राप्त है। धनराशि के अन्यत्र विचलन की दशा में सम्बन्धित विभागाध्यक्ष व्यक्तिगत रूप से उत्तरदायी होंगे।
- (iii) धराशि का आहरण व व्यय वास्तविक आवश्यकता के अनुसार किस्तों में किया जायेगा।
- (iv) धनराशि व्यय करने से पूर्व सक्षम अधिकारी की आगणन पर तकनीकी स्वीकृति अवश्य प्राप्त कर ली जायेगी।
- (v) उक्त व्यय में बजट मैनुअल, वित्तीय हस्तपुस्तिका, उत्तराखण्ड अधिप्राप्ति नियमावली, 2008 के सुसंगत प्राविधानों तथा शासन द्वारा मितव्यता के विषय में समय-समय पर जारी किये गये ओदशों एवं निर्देशों का पूर्ण रूप से पालन किया जाय।
- (vi) जहाँ आवश्यक हो कार्य प्रारम्भ करने से पूर्व भूगर्भ वैज्ञानिक एवं अन्य ऐसे तकनीकी विशेषज्ञों, जिनकी आवश्यकता हो, से परियोजना की उपयुक्तता एवं आपदा के संदर्भ में निर्माण प्रासंगिकता के सम्बन्ध में आख्या प्राप्त कर ली जाय।
- (vii) मुख्य अभियन्ता एवं विभागाध्यक्ष आहरण एवं वितरण अधिकारियों को अवमुक्त धनराशियों का विवरण बी0एम0-10 पर उपलब्ध कराना सुनिश्चित करेंगे। स्वीकृत धनराशि के सापेक्ष व्यय एवं उपयोगिता के सम्बन्ध में आवश्यक प्रमाण-पत्र निर्धारित प्रारूप पर प्रत्येक माह के अन्त में नियमानुसार निर्धारित तिथि तक महालेखाकार, उत्तराखण्ड, राज्य सरकार एवं वित्त विभाग को उपलब्ध कराया जाय।
- (viii) कार्य की समयबद्धता एवं गुणवत्ता हेतु सम्बन्धित विभागाध्यक्ष पूर्ण रूप से उत्तरदायी होंगे।
- (ix) कार्य करने से पूर्व अनुमन्य दर सूची आधार पर गठित विस्तृत आगणन की तकनीकी स्वीकृति सक्षम स्तर से प्राप्त करने के उपरान्त ही कार्य प्रारम्भ किया जायेगा।
- (x) त्रैमासिक रूप से कार्य की वित्तीय एवं भौतिक प्रगति का विवरण एवं व्यय विवरण शासन को उपलब्ध करा दिया जायेगा और स्वीकृत की जा रही धनराशि का दिनांक 31 मार्च, 2016 तक पूर्ण उपभोग कर लिया जायेगा।



- (xi) सम्बन्धित मुख्य अभियन्ता, सिंचाई द्वारा प्रश्नगत चालू कार्यों का मासिक रूप से भौतिक सत्यापन किया जाना सुनिश्चित किया जायेगा।
- (xii) धनराशि आहरण सी0सी0एल0 हेतु निर्धारित नियमान्तर्गत ही किया जायेगा।
- (xiii) उल्लिखित कार्यों/योजनाओं पर मानकानुसार यथाप्रकिया भारत सरकार आदि का अनुमोदन पूर्व में प्राप्त कर लिया जायेगा। आगणन में स्वीकृत डिजाईन/मानक एवं दरों के अन्तर्गत होने पर ही स्वीकृत धनराशि को व्यय किया जायेगा।
- (xiv) प्रश्नगत योजनाओं पर शेष धनराशि उस दशा में अवमुक्त की जायेगी जब योजनाओं की वित्तीय एवं उपयोगिता प्रमाण-पत्र नियमानुसार उपलब्ध करा दिया जायेगा तथा भारत सरकार के दिशा-निर्देशों के अनुसार सभी स्वीकृतियां भारत सरकार आदि से प्राप्त कर ली जायेगी।

3 इस सम्बन्ध में होने वाला व्यय चालू वित्तीय वर्ष 2015-16 के अनुदान संख्या-20, के अन्तर्गत लेखाशीर्षक 4711-बाढ़ नियंत्रण परियोजनाओं पर पूंजीगत परियोजना-01-बाढ़ नियंत्रण-103-सिविल निर्माण कार्य-01-केन्द्रीय आयोजनागत/केन्द्र द्वारा पुरोनिधानित योजनायें-0101-त्वरित सिंचाई लाभ एवं बाढ़ प्रबन्धन कार्यक्रम (आपदा पैकेज सहित)-24 वृहद निर्माण कार्य के नामें डाला जायेगा।

4. यह आदेश वित्त विभाग के अशासकीय सं0- 665/XXVII(2)/2015, दिनांक 01 अक्टूबर, 2015 में प्राप्त उनकी सहमति से निर्गत किये जा रहे हैं।

भवदीय,

(आनन्द वर्द्धन)  
सचिव।

संख्या:- 2633/11-2015-04(16)/2013, टी0सी0, तददिनांकित

- प्रतिलिपि निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित :-
1. महालेखाकार (ऑडिट) उत्तराखण्ड वैभव पैलेस सी-1/105, इन्दिरानगर, देहरादून।
  2. महालेखाकार (लेखा एवं हकदारी) उत्तराखण्ड ओबराय मोटर्स बिल्डिंग, माजरा, देहरादून।
  3. निजी सचिव, मा0 सिंचाई मंत्री जी को मा0 मंत्री जी के संज्ञानार्थ।
  4. निदेशक, राजकोषीय नियोजन तथा संसाधन निदेशालय, सचिवालय।
  5. आयुक्त, गढ़वाल मण्डल, पौड़ी/कुमाँऊ मण्डल, नैनीताल।
  6. जिलाधिकारी, उत्तरकाशी।
  7. कोषाधिकारी, देहरादून/उत्तरकाशी।
  8. निदेशक, राष्ट्रीय सूचना केन्द्र, सचिवालय परिसर, देहरादून।
  9. वित्त अनुभाग-2, उत्तराखण्ड शासन।
  10. नियोजन विभाग, उत्तराखण्ड शासन।
  11. बजट निदेशालय, उत्तराखण्ड शासन।
  12. निदेशक, कोषागार एवं वित्त सेवायें, उत्तराखण्ड, 23 लक्ष्मी रोड, देहरादून।
  13. गार्ड फाईल।

आज्ञा से,

(चन्दन सिंह रावत)  
अनु सचिव।